**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1135

उत्‍तर देने की तारीख: 16 दिसम्‍बर, 2013

**राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के शैक्षणिक कर्मचारी**

1135. श्री नरेन्द्र कुमार कश्यपः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय), नयी दिल्ली में वर्ष 2004 के पश्चात् सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) के पदों पर हुई नियुक्तियों में अनुसूचित जाति के कई सहायक प्राध्यापकों को मामूली कारणों से अभी तक पुष्ट नहीं किया गया है तथा उन्हें यू॰जी॰सी॰ के नियमों के अनुसार वरिष्ठ वेतनमान भी नहीं दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संस्थान में अनुसूचित जाति के ऐसे कितने सहायक प्राध्यापक हैं जिन्हें पुष्ट तथा वरिष्ठ वेतनमान नहीं दिया गया है तथा इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या यह यू॰जी॰सी॰ के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍यमंत्री**

**(डा. शशि थरूर)**

(क): अनुसूचित जनजाति के निम्‍नलिखित सहायक प्रोफेसरों ने वर्ष 2004 के बाद राष्‍ट्रीय संस्‍कृत संस्‍थान में कार्यभार ग्रहण किया और क्रम सं. 3 को छोड़ कर सभी स्‍थाई हो गए हैं:-

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| क्रम सं. | सहायक प्रोफेसर का नाम | नियुक्ति की तिथि | स्‍थाई किए जाने की तिथि |
| 1 | डॉ. शम्‍भू नाथ महलिक | 27.06.2005 | 27.06.2007 |
| 2 | डॉ. अशोक कछवाह | 24.10.2005 | 24.10.2007 |
| 3 | डॉ. दरयाव सिंह | 28.07.2005 | प्रक्रियाधीन |
| 4 | डॉ. लीना तिवारी | 24.02.2009 | 24.02.2011 |
| 5 | श्री शीश राम | 02.03.2009 | 02.03.2011 |
| 6 | डॉ. प्रफुल्‍ल गढपाल | 01.04.2011 | प्रक्रियाधीन |

(ख): श्री दरयाव सिंह, सहायक प्रोफेसर को पूर्ववृत्‍तों के सत्‍यापन हेतु अनुप्रमाणन प्रपत्र प्रस्‍तुत करना था जिसमें वे विफल रहे। मामलों के स्‍थाईकरण के लिए 15.04.2011 को विभागीय प्रोन्‍नति समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें इनका अनुप्रमाणन प्रपत्र न होने के कारण उनके मामले की सिफारिश नहीं की गई।

(ग): जी, नहीं। विश्‍वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों का उल्‍लंघन नहीं हुआ है क्‍योंकि, चरित्र एवं पूर्ववृत्‍तों का निर्गम नियुक्ति के प्रस्‍ताव की शर्तों में से एक था।

\*\*\*\*\*